

संगीत वाद्य यंत्र Musical Instruments

किसी भी संगीत के लिए, संगीत वाद्य यंत्रों के बारे में जानना आवश्यक होता है। सम्मिलित वाद्य यंत्र के प्रकार के आधार पर एवं नाट्यशास्त्र के अनुसार संगीत वाद्य यंत्रों की चार प्रमुख पारंपरिक श्रेणियाँ हैं। ये हैं।

For any music, it is necessary to know about musical instruments. Based on the type of instruments involved and according to Natyashastra, there are four main traditional categories of musical instruments. These are.

1. अवनद / अवनद्ध वाद्य / Avanad / Avanaddha Instruments

(ये Membranophonic वाद्य यंत्र हैं, क्योंकि इनमें बाहरी झिल्ली होती है, जिससे विशेष संगीतात्मक ध्वनि निकालने के लिए इन पर आघात किया जाता है। इन्हें आघात वाद्य यंत्र के रूप में भी जाना जाता है।)

(These are membranophonic instruments, because they have an outer membrane, which is struck to produce a particular musical sound. they are also known as percussion instruments.

- ★ सामान्यतः इस श्रेणी में सम्मिलित संगीत वाद्य यंत्र हैं: तबला, ड्रम, ढोल, कांगो, मृदंग, दुग्गी आदि। जहाँ तबला अधिमोरा हिन्दुस्तानी शास्त्रीय कंठ संगीत की संगत है, वहीं मृदंग कर्नाटक संगीत के प्रदर्शनों के साथ संगत करने वाला वाद्य यंत्र है।

Generally the musical instruments included in this category are: Tabla, Drum, Dhol, Kango, Mridang, Duggi e.t.c. while the tabla is an accompaniment to most Hindustani classical vocal music, the mridangam is an accompaniment to Carnatic music performances.

2. सुधिर वाद्य / Wind Instrument

ये aerophone श्रेणी के हैं अर्थात् इनमें सभी वायु वाद्य यंत्र सम्मिलित हैं। सबसे आम वाद्य यंत्रों में बाँसुरी, शहनाई, पुंगी, आदि शामिल हैं। इस श्रेणी में सबसे आम, लेकिन क्वाने में दुष्कर वाद्य यंत्र शहनाई है।

These belong to the aerophone category, that is, they include all wind instruments. The most common musical instruments include flute, shehnai, pungi, e.t.c. the most common but difficult to play instrument in this category is the shehnai.

3. घन वाद्य / Ghan Instrument

★ यह नॉन ड्रम आघात यंत्र की श्रेणी है, जिसके लिए किसी भी ट्यूनिंग की आवश्यकता नहीं होती है। उन्हें इडियोफोन भी कहा जाता है। घन वाद्य के सबसे लोकप्रिय आहरण मंजीरा, जलतरंग, कंच-तरंग, घुंघरू, घटम (मिट्टी के बर्तन का ढोल). कर्ताल आदि हैं।

It is a non-drum style of instrument, which does not require any tuning. These are also called Idio Phones, the most popular examples of Ghan Vadya are Manjira, Jaltarang, Kanch-Tarang, Ghungghru, Ghatam (earthen pot drum), Kartal.

4. तत् वाद्य / String instrument

ये Cardophone या स्ट्रिंग तार वाद्य यंत्र हैं। इसकी ध्वनि में हाथ से संशोधन करने पर ये सबसे प्रभावपूर्ण संगीत उत्पन्न करते हैं। तत् वाद्य यंत्रों के तीन प्रमुख प्रकार हैं:

These are chordophone or stringed string instrument. By manually modifying its sound, it produces the most impressive music. There are three main types of musical instruments:

★ (a) धनुषाकार :- वे वाद्य यंत्र, जिनमें ध्वनि तार के आर-पार धनुष (कमानी) चलाकर निकाली जाती है। उदाहरण के लिए, सारंगी, इसराय। दिलसबा और वायलिन।

Bowed :- These musical instruments in which sound is produced by moving a bow (spring) across the strings. For example, Sarangi, Israj/Dibruba and violin.

(b) प्लैकटोरल :- वे वाद्य यंत्र, जिनमें तार की उँगलियों से या तार या सींग से खींचा जाता है। उदाहरण के लिए सितार, वीणा, तानपुरा, गिटार आदि।

Plectral: These musical instruments in which the strings are plucked with fingers or with strings or horns. For example, Sitar, Veena, Tanpura, Guitar etc.

↓
6 wire
6 Strings
6 तार

© वे वाद्य यंत्र, जिन पर छोटी-सी हथौड़ी या डंडो के जोड़ी से आघात किया जाता है। उदाहरण के लिए, गोटुवाद्यम् और स्वरमंडल

These musical instruments, which are struck with small hammers or joints of sticks. For example, Gotuvadyam and Suaramandal.

★ संतूर / Santoor

यह एक 100 तारवाला वाद्य यंत्र है और प्राचीन काल से जम्मू और कश्मीर का पारंपरिक वाद्य यंत्र है। सुफियाना कलाम संगीत के साथ संतूर की संगत होती है,

It is a 100 stringed musical instrument and is a traditional musical instrument of Jammu and Kashmir since ancient times. Sufiana Kalam music is accompanied by Santoor.

लोक संगीत वाद्य यंत्र / Folk Musical Instruments

तारवाले वाद्य यंत्र (Chordophones)

★ तुम्बी :- इसे पंजाब में भांगड़ा के दौरान बजाया जाता है।

Tumbi :- It is played during Bhangra in Punjab.

★ एकतारा :- यह एक तारवाला यंत्र है, जिसे मुम्बई
↓
Maharashtra साधुओं द्वारा बजाया जाता है।

Ektara :- It is a stringed instrument, which is played by wandering monks.

★ दोतारा :- दो तारवाला यंत्र, जिसे बाउल द्वारा बजाया जाता है।
↓ W.B

Dotara :- Twostringed instrument, which is played with a bowl.

★ चिकारा :- मुड़ा हुआ यंत्र, जिसे राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में उपयोग किया जाता है।

Chikara :- Bowed instrument, used in Rajasthan, Uttar Pradesh and Madhya Pradesh.

★ दिलरुबा या उस्सराज :- पंजाब में और पूर्वी भारत में खीन्ट संगीत के दौरान संगत के लिए उपयोग किया जाता है।

Dibruba or Israj :- used for accompaniment during Rabindra Sangeet in Punjab and Eastern India.

★ मौनाविल्लू :- केरल में, बांस से बना होता है।

Qnaxillu :- In Kerala, made of bamboo.

★ सरिंदा :- महत्वपूर्ण जनजातीय वाद्य यंत्र। ^{जम, 36 गड, बिहा} पूर्वी भारत में संथाली द्वारा बजाया जाता है। इसे राजस्थान और असम में भी उपयोग किया जाता है। यह सारंगी जैसा होता है।

Sarinda :- Important tribal musical instrument. Played by the Santhals in Eastern India. It is also used in Rajasthan and Assam. It is like a Sarangi.

★ टिगंटोला :- वायलिन के समान और ^{नागालैंड} मूल का एक दुर्लभ उपकरण।

Tigantila :- Similar to the violin and a rare instrument of Nagaland origin.

★ कमाइचा :- यह एक सुमा हुआ वाद्ययंत्र है, जिसका प्रयोग ^{Rajasthan} मन्सर मांगणियार समुदाय द्वारा राजस्थानी लोक संगीत में किया जाता है।

Kamaicha :- It is a bowed instrument, often used in Rajasthani folk music by the Manganiyar.

Community -

पूँक से बजाये जाने वाले यंत्र / (Aerophones)

★ पुंगी या बीन :- इसका उपयोग सपैरों द्वारा किया जाता है। इसे सुखायी हुई तुरई और दो बाँस की छड़ियों द्वारा बनाया जाता है।

Pungi or Bean :- It is used by snake charmers. It is made from dried ridge gourd and two bamboo sticks.

सपैरा :- कालबेलिया नृत्य

↓
"गुलाबी सपैरा"

→ Rajasthan

★ अलंगीजा :- इसमें दो बाँसुरियाँ होती हैं और उत्तरी-पश्चिमी भारत, विशेषकर पंजाब में लोक संगीत वाद्य के रूप में लोकप्रिय है।

↓
Rajasthan

Algoza :- It consists of two flutes and is popular as a folk musical instrument in north-western India, especially Punjab.

★ तंगमुरी :- यह मेघालय के खासी पर्वतीय क्षेत्र के लोगों का एक लोक संगीत वाद्य है।

Tangmuri :- It is a folk musical instrument of the people of the Khasi Hills region of Meghalaya.

★ तिट्टी :- यह बैगपाइपर के समान होता है एवं बकरी की छाल से निर्मित होता है। इसे दक्षिण भारत, विशेषकर केरल और आंध्रप्रदेश में बजाया जाता है।

Titti :- It is similar to a bagpipe and is made from goat skin. It is played in South India, especially, Kerala and Andhra Pradesh.

★ मशक :- उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र, राजस्थान और उत्तरप्रदेश का महत्वपूर्ण लोकसंगीत वाद्य है।

Mashak :- It is an important folk musical instrument of Garhwal region of Uttarakhand, Rajasthan and Uttar Pradesh.

★ गोगीना :- यह बांस से निर्मित होता है एवं असम के बिहू पर्व में उपयोग किया जाता है।

Gogana :- It is made of bamboo and is used in the Bihu festival of Assam.

★ एजुक तपुंग :- संपैरों की बोन जैसा और असम मूल का एक दुर्लभ उपकरण।

Ejuk Tapung :- Like a snake charmer's lute and a rare instrument of Assam origin.

साधारण से बजाये जानेवाले वाद्य यंत्र / Membranophones

★ धुमोल :- यह ड्रम जैसा होता है और इसे गोवा में गणेश उत्सव में बजाया जाता है।

Ghumat :- It is like a drum and is played during Ganesh Utsav in Goa.

★ इदक्का :- यह डमरू जैसा होता है और केरल में उपयोग किया जाता है।

Idakka :- It is like Damaru and is used in Kerala.

★ उदुक्कि :- यह तमिलनाडु में बालुघड़ी के आकार का डमरू जैसा यंत्र है।

Udukai :- It is a sand clock shaped drum like instrument from Tamil Nadu.

★ सम्बल :- यह ड्रम जैसा होता है। इसे महाराष्ट्र के कोकण क्षेत्र में छड़ियों से बजाया जाता है।

Sambal :- It is like a drum. It is played with sticks in the Konkan region of Maharashtra.

★ तमक :- सँथाल जनजाति का दो सिरोंवाला यह एक महत्वपूर्ण वाद्ययंत्र है, जिसे ड्रम स्टिक से बजाया जाता है।

Tamak :- This is an important two-headed musical instrument of the Santhal tribe, which is played with drum sticks.

★ डिगी :- यह उत्तरप्रदेश के घड़िया गाँव का लोक-ढोलक है।

Diggi :- This is the folk drum of Ghariya village of Uttar Pradesh.

टकराने से ध्वनि उत्पन्न करने वाले यंत्र (Idiophones)

★ चिमटा :- आग में उपयोग किये जानेवाले चिमटे से विकसित हुआ और पंजाब में उपयोग किया जाता है।

• Chimta :- Developed from fire tongs and used in Punjab.

★ मंजीरा :- मंजीरा भजन में प्रयुक्त होने वाला एक

महत्वपूर्ण वाद्य है। इसमें दो छोटी गहरी गोल मिश्रित धातु की बनी कटोरियाँ जैसी होती हैं। इनका मध्य भाग गहरा होता है। इस भाग में बने गड़ढ़े के छेद में डोरी लगी रहती है। ये दोनों हाथों से बजाए जाते हैं, दोनों हाथों में एक-एक मँजीरा रहता है। परस्पर आघात करने पर ध्वनि निकलती है।

★ खरताल :- एक प्राचीन वाद्य यंत्र है जिसका प्रयोग मुख्यतः भक्ति। लोक गीतों में किया जाता है। इसका नाम North संस्कृत के शब्द 'कारा' का अर्थ हाथ और 'ताला' का अर्थ ताली से है। यह लकड़ी का ब्लैक पर घाना वाद्य है जिसमें डिस्क या प्लेट होते हैं जो एक साथ ताली बजाने पर क्लिंकिंग ध्वनि उत्पन्न करते हैं।

भारतीय राज्यों के प्रमुख वाद्ययंत्र

वाद्य यंत्र / Musical Instruments

राज्य / State

- | | | |
|---|---|-------------------------------------|
| ★ पेना, पुंग / Pena, Pung | → | मणिपुर / Manipur |
| ★ पोनु योन्सी / Ponu Yoni
अम्बेबाली, किरिंग, गुगा
Amebali, Kirang, Guga | → | अरुणाचल प्रदेश
Arunachal Pradesh |
| ★ अल्मगौजा, कामाश्चा, मोरचंग, करताल मुंगल
AlgaJa, Kamaicha, Morchang, Kartal, Mungal | → | राजस्थान
Rajasthan |

Rojgar with Ankit

- ★ बौबिली वीणा, सरस्वती वीणा → कर्नाटक
Bobbili Veena, Saraswati Veena → Karnataka
↳ आन्ध्र प्रदेश का भी Also from Andhra Pradesh
- ★ दमाने, हुल्की / Damane, Hulki → हिमाचल प्रदेश
Himachal Pradesh
- ★ चिंकारा / Chinkara → मध्य प्रदेश
Madhya Pradesh
- ★ घटम / Ghatam → आन्ध्र प्रदेश / Andhra Pradesh
- ★ पक्खावज / Pakhawaj → बिहार / Bihar
- ★ सुन्दरी, रक्ततारा / Sundri, Raktatara → महाराष्ट्र / Maharashtra
- ★ मर्दल, महुरी, धेनका / Mardal, Mahuri, Dhenka → ओडिशा / Odisha
- ★ खुआंग / Khuang → मिजोरम / Mizoram
- ★ पावा, तुरी, बंगाल / Pawa, Turi, Bengal → गुजरात / Gujarat
- ★ पैपा, टोका, गौगोवा → असम / Assam
- ★ भुआंग, सिंगा / Bhuang, Singa → जारखण्ड (संथाल)
Jharkhand (Santhal)
- ★ हुडकी / Hudki → उत्तराखण्ड / Uttarakhand
- ★ धूमोट / Dhumat → गोवा / Goa
- ★ सुसिरा / Susira → सिक्किम / Sikkim
- ★ डोटारा, श्रीखोल / Dotara, Shrikhol → पश्चिम बंगाल
West Bengal
- ★ कुप्पहल / Kuppahal → केरल / Kerala
- ★ डुगडुगी, नादस्वरम / Nadaswaram / Dugdugi → तमिलनाडु
Tamil Nadu

भारतीय संगीत का इतिहास

History of Indian Music

हमारे पहली बार संगीत का साहित्यिक प्रमाण दो हजार वर्ष पहले वैदिक काल में मिलता है। राग खरहरप्रिया के सभी सात स्वर साम बंद में अवरोही क्रम में पाये जा सकते हैं। संगीत विज्ञान को गन्धर्व वेद कहा जाता है, जो सामवेद का एक उपवेद है।

We first find literary evidence of music in the vedic period, two thousand years ago. All the seven notes of Raga Kharharpriya can be found in descending order in the Sama Bandha. The science of music is called Gandharva Veda, which is an Upveda of the Sama Veda.

⇒ भरत द्वारा लिखित नाट्यशास्त्र पहली रचना थी, जिसमें संगीत विद्या के विषय को विस्तृत रूप में स्पष्ट किया गया।

Natyashastra written by Bharata was the first work in which the subject of musicology was explained in detail.

★ राग

हिन्दुस्तानी राग	समय	ऋतु	मनोभाव (रस)
भैरव	→ और	→ कीर्ति श्री मौसम	→ शान्ति
हिण्डील	→ प्रातःकाल	→ बसंत	→ युवा जोड़े की मिठास का आनंद करता है।
दीपक	→ रात	→ ग्रीष्मकाल	→ करुणा
मैघ	→ देर रात	→ वर्षा ऋतु	→ साहस
श्री	→ सायंकाल	→ शीतकाल	→ हर्ष
मालकौंस	→ मध्यरात्रि	→ शीतकाल	→ वीर

★ ताल → Rhythm

⇒ धुनों का लयबद्ध समूह ही ताल कहलाता है यह लयबद्ध चक्र 3 से लेकर 108 धुनों का होता है।

The rhythmic group of tunes is called taal. This rhythmic cycle ranges from 3 to 108 tunes.

⇒ राग और ताल का मिश्रण
Rag & Taal